जनपद पिथौरागढ़ में हलियाडोब–लछीमा–ओखरानी–नाचनी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. अस्थाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग बेरीनाग के अन्तर्गत 9.50 कि0 मी0 लम्बाई में हलियाडोब–लछीमा–ओखरानी–नाचनी विस्तार मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 बेरीनाग के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 10.1.2015 को सम्बंधित कनिष्ठ अभियन्ता श्री जे0 पी0 एस0 दोसाद के साथ निरीक्षण किया गया।

2. जनपद पिथौरागढ़ के अन्तर्गत हलियाडोब–लछीमा–ओखरानी–नाचनी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 10.00 कि0 मी0 लम्बाई में मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग के निर्माण हेतु सम्बन्धित खण्ड के द्वारा दो समरेखनों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। दोनो समरेखनों के तुलनात्मक विवरण के आधर पर अस्थाई खण्ड लो नि0 वि0 बेरीनाग के द्वारा समरेखन संख्या एक को मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है। अवगत कराया गया कि समरेखन संख्या एक, तत्कालीन अधीक्षण अभियन्ता लो0 नि0 वि0 पिथौरागढ के द्वारा अनुमोदित है। प्रस्तावित समरेखन पूर्व मे स्वीकृत हलियाडोब लछीमा ओखरानी–नाचनी मोटर मार्ग लम्बाई 20 कि0 मी0 के अन्तिम बिन्दु से आगे आरम्भ होता है तथा निर्धारित लम्बाई में रामगंगा नदी पर निर्मित सेतु (फल्याटी) के समीप सीटाबगड मोटर मार्ग पर मिलना प्रस्तावित है। समरेखन में 08 हेयर पिन बैड्स है, जो सामान्यतः दूर–दूर नियोजित हैं। इस मार्ग से ग्राम सिरतोली, मलानी, झिडिया, चुरखेत, चिल्किया तथा नाचनी आदि लाभान्वित होंगे। अवगत कराया गया कि समरेखन नाप भूमि, बंजर नाप तथा सिविल भूमि से होकर गुजरता है। भूमि का ढ़लान सामान्यतः 25^0 से 55^0 के मध्य है। समरेखन क्षेत्र में लाईमस्टोन तथा स्लेट आदि चट्टान हैं। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता संज्ञान में नहीं आई।

3- समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू– आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहॉ रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहॉ इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि मे सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(ग) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाना चाहिए।

(घ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लो0 नि0 वि0
बेरीनाग(पिथौरागढ़)

(ड.) समरेखन में अपेक्षाकृत तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(च) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आवादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(छ) जहाँ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(ज) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(झ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4 **मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बन्धी बिन्दुः–**

(i) मार्ग कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाडी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

(ii) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सक्रिय हो सकते है तथा नई दरारे भी उत्पन्न हो सकती हैं, जिसके कारण विपरीत परिस्थितियों में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियन्त्रित ब्लास्टिंग की जाये।

5 हलियाडोब–लछीमा–ओखरानी–नाचनी मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 9.5 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लियें उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

H. Kumar 31.1.15

(हर्ष कुमार),
वरि0 भूवैज्ञानिक (रो0नि0),
लोक निर्माण विभाग।

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लो0 नि0 वि0
बेरीनाग(पिथौरागढ़)

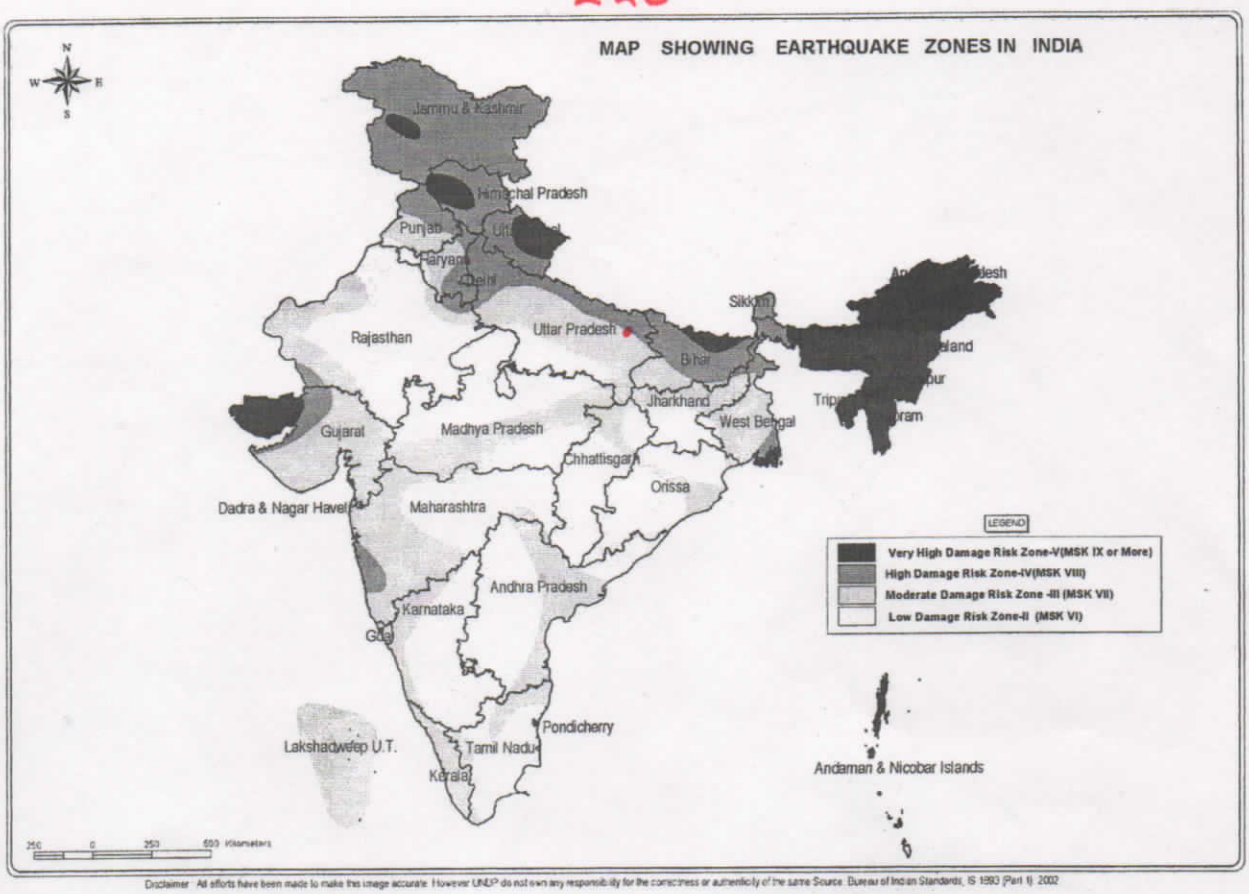

Disclaimer : All efforts have been made to make this image accurate. However UNDP do not own any responsibility for the correctness or authenticity of the same. Source: Bureau of Indian Standards, IS 1893 (Part 1) 2002

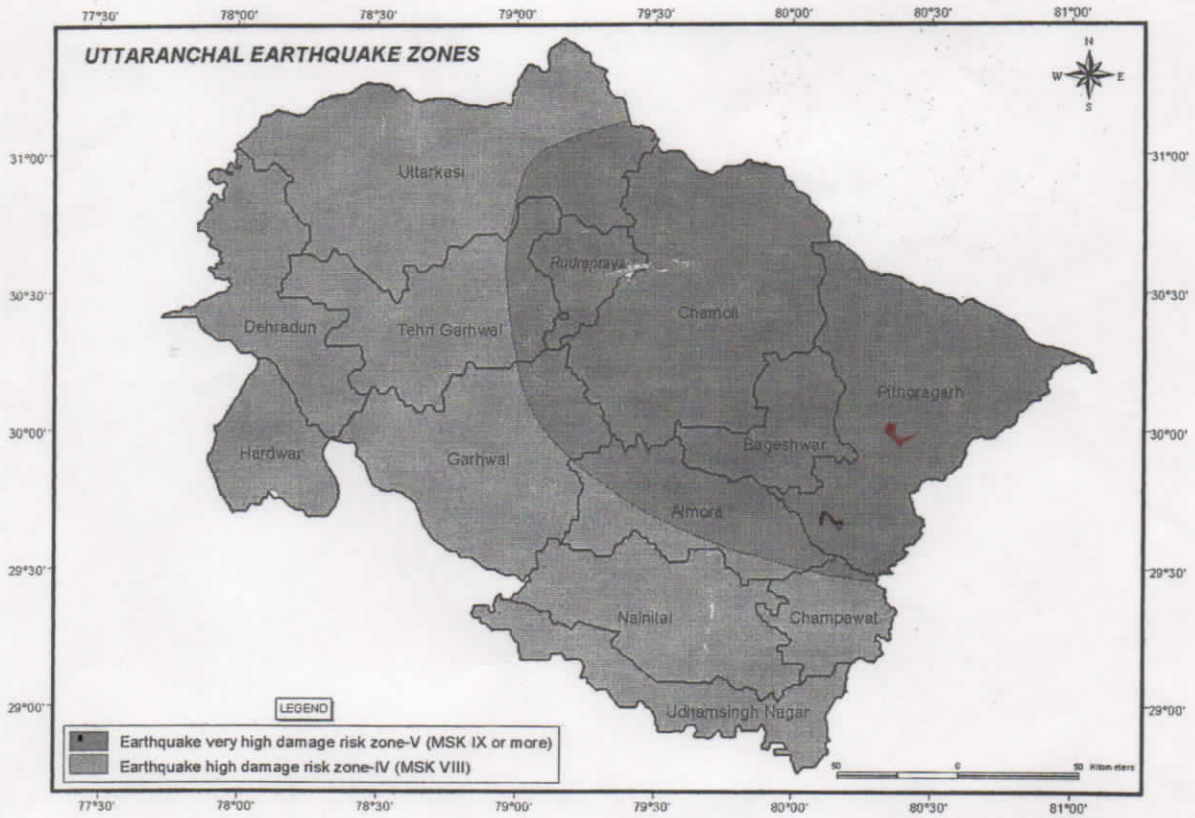

Disclaimer : All efforts have been made to make this image accurate. However UNDP do not own any responsibility for the correctness or authenticity of the same. Source: Bureau of Indian Standards 1893 (Part 1) 2002

Photo copy Attested स्थिति मानचित्र

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लो० नि० वि०
बेरीनाग(पिथौरागढ़)